प्रतिकूल मौसम की स्थिति में चावल फसल के लिए आकस्मिक योजना

मध्य/विलंबित मौसम सूखा

- *यदि अगस्त के अंत तक वर्षा होने में देरी होती है, तो शीघ्र पकने वाली चावल की किस्में (90-105 दिन) जैसे सीआर धान 101, सीआर धान 102, वंदना, शुस्क सम्राट, सबौर सुरभित, सहभागीधान, खंडगिरि, पारिजात, नरेंद्र 97 को अगस्त के अंत तक वर्षाश्रित निचली उथली भूमि में सीधी बुआई द्वारा 30 किलोग्राम फोस्फोरस और 30 किलोग्राम पोटाश के आधारी प्रयोग सहित उगाएं जिससे बेहतर स्थापना मिलती है। बुआई के 7-15 दिन बाद प्रारंभिक नाइट्रोजन उर्वरक की मात्रा 30 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए।*
- *मध्यम निचलीभूमि क्षेत्रों में, जहां सीधी बुआई संभव नहीं है, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे लंबी अवधि की किस्मों जैसे सीआर धान 803, सीआर धान 410, सीआर धान 507, सीआर धान 508 और सीआर धान 510 आदि के उपलब्ध 60 दिनों वाली पुराने पौधों की रोपाई करें या पड़ोसी खेतों में जीवित चावल की फसल से क्लोनल पौधों को 40:40:40 किलोग्राम नाइट्रोजन, फोस्फोरस और पोटाश के बेसल प्रयोग के साथ 15 x 10 सेमी दूरी पर रोपें।*
- *तटीय लवणीय क्षेत्रों में, सीआर धान 412 (एनआईसीआरए धान: लूणा अंबिकी), सीआर धान 414, लूणीश्री, लूण सुवर्णा, लूणा संपद, एसआर 26बी आदि लवण सहिष्णु चावल की किस्मों की अधिक दिनों वाली पौध की रोपाई सितंबर के पहले सप्ताह तक 30:30:30 किग्रा नाइट्रोजन, फोस्फोरस और पोटाश के आधारी प्रयोग के साथ की जा सकती है।*
- *उपरोक्त स्थितियों में, मेड़ की ऊंचाई बढ़ाने और रिसाव के नुकसान को रोकने एवं खेतों को खरपतवार मुक्त रखने के लिए मेड़ों में छेद बंद करने की सलाह दी जाती है।*
- *वैकल्पिक रूप से गीला करना और सुखाना जैसी कुशल सिंचाई तकनीकों को लागू करें जिससे पानी की खपत कम हो।*
- *वाष्पीकरण हानि को कम करने के लिए मिट्टी में जैविक घासपात को दबा दें।*
- *फसल की वृद्धि अवस्था के अनुसार संतुलित एवं उचित उर्वरकों का प्रयोग करें। अतिरिक्त नाइट्रोजन प्रयोग से बचें क्योंकि यह अत्यधिक वनस्पति विकास को बढ़ावा देता है और पानी की मांग को बढ़ाता है।*
- *यदि संभव हो, तो पौधे की तनाव सहिष्णुता में सुधार के लिए पोटेशियम (KNO3 @ 1%) जैसे पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव करें।*
- *सिंचाई संबंधी निर्णय लेने के लिए उचित उपकरणों का उपयोग करके मिट्टी की नमी के स्तर की नियमित रूप से निगरानी करें।*
- *सूखे का सामना हेतु तैयार बुनियादी ढाँचा: ड्रिप या स्प्रिंकलर जैसी कुशल सिंचाई प्रणालियों में निवेश करें जो सीधे जड़ क्षेत्र तक पानी पहुँचाती हैं।*
- *आपातकालीन सिंचाई योजना: महत्वपूर्ण वृद्धि चरणों में सिंचाई को प्राथमिकता देने के लिए योजना विकसित करें।*
- *कीटों और रोगों की बारीकी से निगरानी करें, क्योंकि सूखे से प्रभावित पौधे अधिक ग्राह्यशील होते हैं। एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीतियों का उपयोग करें।*

- *अगस्त या सितंबर क आरंभ में देरी से रोपाई या सीधी बुआई के मामले में, रोपाई के 15-20 दिन बाद थायमेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ की दर से या देर से बोए गए धान के कीटों जैसे थ्रिप्स के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 40-50 मिली/एकड़ की दर से जैसे कीटनाशकों का पर्णीय छिड़काव करना चाहिए।*
- *झुंड वाली इल्लियों के संक्रमण के लिए, क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी 600 मिली/एकड़ की र से या एसीफेट 75 एसपी 400 ग्राम/एकड़ की दर से छिड़काव करें; चावल में हिस्पा और गंधी बग के संक्रमण के लिए, इमिडाक्लोप्रिड 6% + लैम्ब्डा साइहलोथ्रिन 4% एसएल 120 मिली/एकड़ की दर से छिड़काव करें।*
- *गॉल मिज के संक्रमण की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी 400-600 मिली/एकड़ की दर से या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी 200-300 ग्राम/एकड़ की दर से छिड़काव करें; चावल के तना छेदक और पत्ती मोड़ने वाले कीट के लिए, क्लोरेंट्रिनिलिप्रोल 0.4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ की दर से या क्लोरेंट्रिनिलिप्रोल 18.5 एससी 60 मिली/एकड़ की दर से प्रयोग करें।*
- *ऊपरीभूमियों में, यदि चावल की फसल अभी तक बोई नहीं गई है या सूखे के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है, तो किसानों को लोबिया (उत्कलमणिका), उड़द (टी-9, सरला, पीयू 19, 30), हरा चना (के851) कुल्थी (उर्मि) और सेसमम (कनक, कालिका, उमा, उषा) जैसी कम अवधि वाली एवं कम पानी की आवश्यकता वाली फसलें लेनी चाहिए।*
- *रिसाव से होने वाले हानि को रोकने और खेतों को खरपतवार मुक्त रखने के लिए खेत के मेड़ों में छेद बंद करने जैसे यथास्थान वर्षा जल संरक्षण उपाय अपनाएं।*
- *यदि वर्षा जल संचयन संरचनाओं में पानी उपलब्ध है तो पूरक सिंचाई अपनाएं।*
- *यदि फसल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है, तो मौसम के अंत में पर्याप्त वर्षा होने के बाद चावल की परती दालें (उड़द/लथिरस) या तोरिया चुनें।*
- *फसल खराब होने पर होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करने के लिए फसल बीमा कराना चाहिए।*
- *मौसम पूर्वानुमान और जलवायु भविष्यवाणी उपकरणों का उपयोग करें और तदनुसार योजना बनाएं। इसके लिए गूगल प्ले स्टोर से राइसएक्सपर्ट ऐप डाउनलोड किया जा सकता है।*
- *अनुसंधान और विस्तार सेवाएँ: कृषि विस्तार सेवाओं के माध्यम से चावल की फसल में सूखे के तनाव के प्रबंधन के लिए नवीनतम अनुसंधान और सिफारिशों की जानकारी लेते रहें।*
- *खेत के तालाबों, सामुदायिक टैंकों, जलाश्रयों और पूलों जैसे वर्षा जल संचयन का कार्य करें। वर्षा के मौसम से पहले स्थानीय जल निकायों की मरम्मत और पुर्णोद्धार करें।*
- *जागरूकता पैदा करें और जल संरक्षण कार्यक्रमों में भाग लें। चेतावनियों, अपडेट और निर्देशों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें और समाचार पत्र पढ़ें।*